सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है

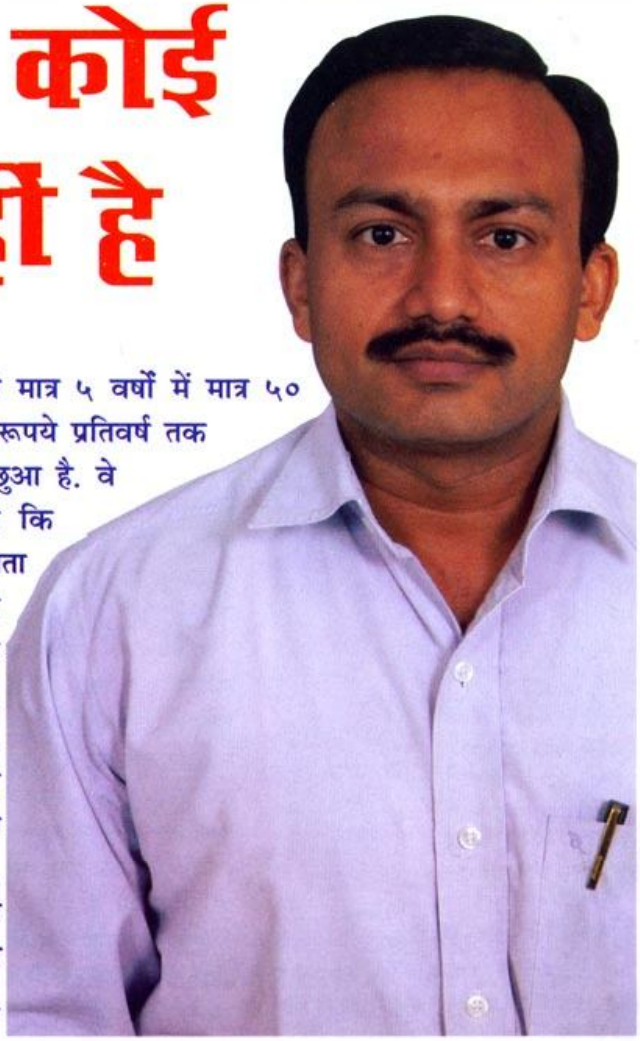

संजय आज के युवाओं के आदर्श हो सकते है. उन्होंने मात्र ५ वर्षों में मात्र ५० हजार रूपये की पूंजी से अपने कारोबार को २ करोड़ रूपये प्रतिवर्ष तक पहुंचाया है. उन्होंने कम उम्र में अधिक ऊंचाइयों का छुआ है. वे केवल मेहनत पर विश्वास रखते हैं. उनका मानना है कि सफलता प्राप्त करने का कोई शॉर्टकट नहीं है. सफलता सदैव वहीं कदम चूमती है जहां निरंतरता और कमिटमेंट के साथ कठोर परिश्रम भी हो. वे विभिन्न इंडस्ट्रीज के फाइनैंस विभाग के लिए कुशल पेशेवर तैयार करते है. उनका प्लेसमेंट का आंकड़ा शत प्रतिशत रहता है. उन्होंने अभी २०० बीपीएल परिवारों के युवा छात्रों को नि:शुल्क ट्रेनिंग देकर रोजगार दिलाकर समाज के प्रति अपने योगदान की एक अनूठी मिसाल पेश की है. उनका मानना है कि हम जहां भी हैं वहीं रहकर समाज को कुछ लौटा तो सकते है. पेश है हमारे संवाददाता नितिन नेगी के साथ हुई उनकी वार्ता के कुछ अशं.....

आपके द्वारा संस्थान की शुरूआत कब और कहा की गई? उस समय छात्रों की स्थिति क्या थी और वर्तमान में क्या है?

सबसे पहले हमने सन् 1998 में सॉफ्टवेयर डेवल्पमेंट कम्पनी के साथ कार्य किया जिस पर हम टैली से सम्बंधित मूल रूप के सॉफ्टवेयर बनाते थे. उसके बाद सन् 2002 में हम उत्तराखण्ड के टैली सॉफ्टवेयर के मास्टर पार्टनर बने. उस समय पाईरेटिड सॉफ्टवेयर का चलन जोरों-शोरों से चल रहा था, जिस कारण हमे मूल रूप के साफ्टवेयर को जनता के पास पहुँचाने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था, इस कारण जनता पाईरेटिड की तुलना में मूल रूप के सॉफ्टवेयर की सुविधाओं को समझ नहीं पा रही थी, जिस कारण हमें प्रशिक्षित कर्मचारियों की आवश्यकताओं का आभास हुआ जिससे की जनता पाईरेटिड और मूल रूप के अंतर और उसकी सुविधाओं को सही तरह समझ पाये और सही प्रकार से उपयोग कर सके. इस संकल्प को उठाते हुए हमने सन् 2004 में वेब लाईन (इंस्टीट्यूट ऑफ एकाउंटिंग टेक्नोलोजी) संस्थान की स्थापना करी. हमारे संस्थान की ओर छात्रों का शुरू से ही बेहतर प्रतिक्रिया रही और वर्तमान में भी यही स्थिति चल रही है.

अपनी सफलताओं की कहानी के बारे में कुछ बताए.

जब मैं इस क्षेत्र मे आया था तब मेरे पास मात्र पचास हजार रुपये और केवल एक कम्प्यूटर था. इन्हीं का उपयोग करके मैं सफलता पाने में जुट गया और आज हमारा संस्थान प्रत्येक वर्ष लगभग 2 करोड़ का व्यवसाय कर रहा है. मैं यही कहना चाहूंगा कि सफलता पाने के लिए किसी भी सरल उपाय की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए इसके लिए आपको निरंतर कड़ा प्रयास करना पड़ता है, तभी सफलता मूल रूप से प्राप्त की जा सकती है.

आपके संस्थान में किन-किन क्षेत्रों में ट्रेनिंग दी जाती है?

हमारे यहाँ टैली और टैक्सेशन में सर्टिफिकेट कोर्स की ट्रेनिंग दी जाती है जिसके द्वारा आप एकाउंट, फाइनेंस और टैक्सेशन की कम्पनियों में अकाउंट एक्जीक्यूटिव, डाटा एंट्री आपरेटर, टैली आपरेटर, ऑडिट एसिस्टेन्ट, टैक्सेशन एसिस्टेन्ट, जूनियर एकाउंटेन्ट, परचेज ऑफिसर, एकाउंटेन्ट ट्रेनी, कमिर्शयल एसिस्टेन्ट, फाइनेंस को-ओर्डिनेटर, आदि जैसे कई पदों पर कार्य कर सकते है.

आपका ट्रैक रिकार्ड क्या है?

हमारा संस्थान एक अलग रूप से छात्रों को कम समय में प्रशिक्षित छात्र बनाता है. हाल ही में हमने एक सरकारी परियोजना के अंर्तगत मिनिस्टरी ऑफ रूरल डेवलेपमेंट में कार्य किया जिस पर हमने गढ़वाल क्षेत्र से 250 गरीबी रेखा के निचले रहने वाले छात्रों का अपने संस्थान में चयन किया और हम तीन महिनों में ही 200 छात्रों को रोजगार दिलाने में सफल भी रहे.

अपनी फैकल्टी के बारे में कुछ बताए?

हमारी फैकल्टी पूरी तरह प्रशिक्षित और अनुभवी है, जिस पर गैस्ट लैक्चर्स, एमबीए, ग्रैज्यूएट, पोस्ट ग्रैज्यूट सभी शामिल है और मैं खुद भी एक कॉस्ट एकाउन्टेंट हूँ.

आपकी सफलता का मूल मंत्र क्या है?

हम अपने संस्थान को सामाजिक जिम्मेदारियों की तरह चलाते है, हम छात्रों के कैरियर को शुरू से ही बेहतर बनाते है, जिससे वे अपने पैरों में खड़े हो पाए और रोजगार के साथ अपने नाम में भी सफलता भी पाए. जैसे की मैं पहले भी कह चुका हूँ ''कि सफलता पाने के लिए किसी भी सरल उपाय की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए इसके लिए आपको निरंतर कड़ा प्रयास करना पड़ता है, तभी सफलता मूल रूप से प्राप्त की जा सकती है''.